चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.06.2020	01	01-05

गुड न्यूज • मानव संसाधन व विकास मंत्रालय ने जारी की नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग

स्मार्ट क्लासेज के साथ रिसर्च पब्लिकेशन व सालभर कैलेंडर किया फॉलो, एचएयू का होम साइंस कॉलेज प्रदेश में पहले स्थान पर

भास्कर न्यूज | हिसार

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय ने वर्ष 2020 के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग जारी की है। इसमें एचएयू के होम साइंस कॉलेज को हरियाणा में प्रथम स्थान मिला है और देशभर में 49वां स्थान हासिल हुआ। एचएयू के वीसी प्रो. केपी सिंह ने बताया कि कॉलेज में छात्र एवं छात्राओं को जहां ऑनलाइन व स्मार्ट क्लासेज से पढ़ाई कराई गई। कॉलेज में किए रिसर्च के पब्लिकेशन ने भी मजबूती प्रदान की। कॉलेज के शिक्षकों ने सालभर के शैक्षिक कैलेंडर को भी फॉलो किया।

पहले भी मिल चुके विश्वविद्यालय को कई अवॉर्ड

कुलपति प्रो. केपी सिंह का कहना है कि इस रैंकिंग में कुल पांच मापदंड लिए गए थे जिसमें गृहविज्ञान महाविद्यालय ने शिक्षण एवं संसाधनों के अंतर्गत 100 में से 61.21 अंक, स्नातक परिणाम में 80.42 अंक और बाहर की विशिष्टता में 62.48 अंक हासिल किए। इससे पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय को अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवॉर्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवॉर्ड तथा हाल ही में इसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार, 2017, हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार 2018 व कृषि शिक्षा सम्मान अवॉर्ड 2018 से नवाजा जा चुका है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने छात्रों के बीच नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सैल की स्थापना के लिए इस विश्वविद्यालय को प्रमाण-पत्र प्रदान किया है। कुलपति ने गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा व गृह विज्ञान महाविद्यालय मे एनआइआरएफ की नॉडल ऑफिसर डॉ. सुषमा कौशिक को बधाई दी।

इधर, जीजेयू 94वीं रैंक के साथ टॉप 100 में शामिल, फार्मेसी विभाग 31वें स्थान पर

हिसार | जीजेयू को नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क की रैंकिंग में 94वां स्थान मिला। जीजेयू की रैंकिंग में इस बार गत वर्ष की अपेक्षा काफी सुधार हुआ है। इसके साथ विवि के फार्मेसी विभाग को राष्ट्रीय स्तर पर 31वां स्थान मिला। फार्मेसी विभाग की रैंकिंग में चार पायदान का सुधार हुआ है। इंजीनियरिंग में भी विवि को पहली बार रैंकिंग मिली है। इंजीनियरिंग में विवि की रैंकिंग 195 रही। जीजेयू के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए समस्त विश्वविद्यालय परिवार तथा इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंश सैल को बधाई दी। कुलपति ने बताया कि अब विश्वविद्यालय देश के श्रेष्ठ 100 संस्थानों में शामिल हो गया है जिससे विवि को कई प्रकार की स्वायतताएं प्राप्त होंगी तथा कई योजनाओं का लाभ मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.06.2020	02	06

एचएयू : बालश्रम रोकने के प्रति किया जागरूक, शिक्षा पर दिया जोर

हिसार | 12 जून को विश्व बालश्रम निषेध दिवस मनाया जाता है। शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व बालश्रम निषेध दिवस पर कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि आज इस दिवस पर हम सब मिलकर बाल श्रम की समस्या को खत्म करने का संकल्प लें और बच्चों को उनका बचपन जीने का भरपूर अवसर प्रदान करें।बालश्रम निषेध दिवस के मौके पर गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. कृष्णा दुहन, शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारियों ने प्रतिज्ञा ली।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.06.2020	04	01-04

भास्कर खास • एचएयू ने तैयार की बायो फ्लॉक और परिशोधन जलीय कृषि तकनीक

बिना तालाब खुदाई किए कम पानी में हो सकेगा ज्यादा मछली उत्पादन

महबूब अली | हिसार

प्रदेश के किसानों के लिए खुशखबरी है। एचएयू हिसार के कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस के वैज्ञानिकों ने कम पानी में अधिक मछली पालन के लिए परिशोधन जलीय कृषि व बायो फ्लॉक नामक तकनीक विकसित की है। इससे किसानों की आय दोगुनी होगी। एचएयू में जल्द किसानों को हाईटेक तकनीक से मछली पालन के बारे में प्रशिक्षण भी शुरू किया जाएगा। एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने तकनीक को विकसित करने वाले वैज्ञानिकों की सराहना की है।

फिशरीज कॉलेज के वैज्ञानिकों ने तकनीक विकसित कर सराहनीय कार्य किया है। वैज्ञानिक व अन्य कॉलेज के पदाधिकारियों को इसके लिए सम्मानित किया जाएगा। प्रदेश के किसान भी यहां आकर ट्रेनिंग हासिल कर सकेंगे। विवि के लिए ही बहुत बड़ी उपलब्धि है।

जानिए.... क्या है बायो फ्लॉक तकनीक

बायो फ्लॉक अत्याधुनिक तकनीक में किसान बिना तालाब की खुदाई किए एक टैंक में मछली पालन कर सकेंगे। फिशरीज कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. धर्मवीर मलिक बताते हैं कि मछली की खपत को देखते हुए मत्स्य पालन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नई तकनीक को अपनाया जा रहा है। इसके लिए कम खर्च में अधिक मछली उत्पादन करने के लिए बायो फ्लॉक तकनीक अहम भूमिका निभाएगी। यह कम लागत और सीमित समय में अधिक उत्पादन देने वाली तकनीक है। इसमें टैंक सिस्टम में उपकारी बैक्टीरिया के द्वारा मछलियों की विष्ठा और अतिरिक्त भोजन को प्रोटीन सेल में परिवर्तित कर मछलियों के भोज्य पदार्थ के रूप में रूपांतरित कर दिया जाता है।

यह है आरएएस यानि परिशोधन जलीय कृषि तकनीक

एचएयू के फिशरीज कॉलेज ऑफ साइंस की इंचार्ज डॉ. अर्चना गुलाटी व असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. धर्मवीर मलिक ने बताया कि परिशोधन जलीय कृषि मूल रूप से उत्पादन में पानी का उपयोग करके मछली या अन्य जलीय जीवों के लिए तकनीक है। तकनीक यांत्रिक और जैविक फिल्टर पर आधारित है। इस पद्धति का उपयोग सिद्धांत रूप में किसी भी प्रजाति जैसे मछली कैटला, रोहू, मुरकी, मंगुर आदि के लिए किया जा सकता है। इसमें पानी का भाव निरंतर बनाए रखने के लिए पानी के आने-जाने की व्यवस्था की जाती है। इसमें कम पानी और कम जगह की जरूरत होती है। सामान्य तौर पर एक एकड़ तालाब में 20 हजार मछली डाली है तो एक मछली को 300 लीटर पानी में रखा जाता है। जबकि इस सिस्टम के जरिए 1000 लीटर पानी में 110 से 120 मछली डालते हैं। पानी कितनी मात्रा में परिचालित किया जाता है या उपयोग किया जाता है, इस पर निर्भर करता है। यह तकनीक से प्रतिवर्ष कई टन मछलियां पैदा करने के लिए उपयोग की जाती है, यह सुपर इंटेंसिव फार्मिंग सिस्टम है। जिसे एक बंद इंसुलेटेड बिल्डिंग के अंदर स्थापित किया जाता है।

गुजरात में अपनाई जा रही यह तकनीक

फिशरीज साइंस कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. धर्मवीर सिंह का कहना है कि आरएएस व बायो फ्लॉक तकनीक गुजरात में अपनाई जा रही है। कुछ किसान गुजरात से ही उक्त तकनीक के टैंक लाकर मछली पालन करते हैं मगर अब एचएयू में ही सीख कर दोनों तकनीकों से मछली पालन किया जा सकेगा। बायो फ्लॉक तकनीक में करीब 25 से 30 हजार जबकि आरएएस में 40 से 50 लाख तक का खर्च आता है। तैयार तकनीक को जल्द ही एजेंसी मालिकों को दिया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13.06.2020	04	02-04

एनआइआरएफ रैंकिंग में चंडीगढ़ से आगे निकला एचएयू का गृह विज्ञान कालेज

जागरण संवाददाता, हिसार: केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने देश में 49वां स्थान पाया है। खास बात है कि कृषि विश्वविद्यालयों में एक मात्र होम साइंस कालेज हिसार का इस सूची में शामिल है। इससे भी अहम बात यह है कि एचएयू के आइसी गृह विज्ञान कालेज ने चंडीगढ़ के सरकारी होम साइंस कालेज को भी पछाड़ दिया है। चंडीगढ़ के होम साइंस कालेज इस सूची में 86वां स्थान मिला है। इसके साथ ही एचएयू के होम साइंस कालेज में टीचिंग लर्निंग और ग्रेजुएशन आउटकम को सबसे अधिक अंक मिले हैं। गौरतलब है कि पहली बार एनआइआरएफ में कालेजों को शामिल किया गया था। जिसमें हरियाणा से एचएयू के आइसी कालेज ने आवेदन किया था। होम साइंस कालेज को तीन श्रेणियों में अच्छे अंक मिले हैं। जिसमें एनआइआरएफ रैंकिंग संस्थानों को टीचिंग लर्निंग एंड रिसोर्सेज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरीच एंड इंक्ल्यूसिविटी, परसेंप्शन के आधार पर आंकलन किया जाता है।

इन श्रेणियों में मिले अंक

टीचिंग लर्निंग एंड रिसोर्सेज	77.11
रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस	0.21
ग्रेजुएशन आउटकम	75.24
आउटरीच एंड इंक्ल्यूसिविटी	50.52
परसेंप्शन	2.02

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13.06.2020	01	01-02

19 तक प्री-मानसून आने की संभावना

हिसार में सर्वाधिक 42.8 डिग्री रहा पारा

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में धूप में छाते का सहारा लेते विद्यार्थी। ● जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार: मौसम ठीक रहा तो 19 जून के आसपास प्री मानसून प्रदेश में दस्तक दे देगा। इसके बाद ही तय हो सकेगा कि मानसून हरियाणा में कब आएगा। अभी तक 30 जून को मानसून आने की संभावना बनी हुई है और जुलाई के प्रथम सप्ताह में यह सक्रिय होगा। पिछले दो दिनों से गर्मी अपने चरम पर है।

प्रदेश में सबसे अधिक हिसार में दिन का तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन खिचड़ ने बताया कि राज्य में शनिवार तक मौसम परिवर्तनशील, बीच- बीच में आंशिक बादल, हवाएं चलने तथा उत्तरी हरियाणा में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इसके साथ ही पश्चिमी व दक्षिण हरियाणा में कहीं-कहीं धूलभरी हवाएं चलने व बूंदाबांदी की भी संभावना है, परन्तु राज्य में 14 जून से मौसम खुश्क व गर्म तथा तापमान में बढ़ोतरी संभावित है।

ये करें किसान

- नरमा की फसल में निराई-गुडाई करें ताकि फसल में खरपतवार न हो तथा नमी संचित रहे ।
- धान की नर्सरी में समय-समय पर आवश्यकता अनुसार सायंकाल में हल्की सिंचाई कर दें ताकि पौध क्षेत्र में तेज धूप में पानी खड़ा न रहे।
- नर्सरी में समय-समय पर खरपतवार निकालते रहें।
- खाली खेतों की गहरी जुताई कर जमीन को खुला छोड़ दें ताकि सूरज की तेज धूप से गर्म होने के कारण इसमें छिपे कीटों के अंडे तथा घास आदि के बीज नष्ट हो जाएं।
- तापमान में बढ़ोतरी व गर्म मौसम को देखते हुए सब्जियों व फलदार पौधों तथा हरे चारे में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	14.06.2020	03	04-08

दो वर्ष पूर्व एचएयू में प्रो. रत्न लाल ने बताई थी हरियाणा की भूमि में जैविक पदार्थों की कमी

यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो सामने आ सकते हैं काफी बुरे परिणाम

जागरण संवाददाता, हिसार: अमेरिका की ओहियो यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर और यूएसए के कार्बन मैनेजमेंट एंड सैक्यूसट्रेशन सेंटर के निदेशक प्रो. रत्न लाल को इस बार वर्ल्ड फूड प्राइज-2020 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें मिट्टी के स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने को लेकर दिया गया है। खास बात यह है कि प्रो. रत्न लाल स्वामीनाथन से भी 10 गुना अधिक रिसर्च पेपर प्रकाशित कर चुके हैं। उनका हरियाणा से भी रिश्ता है। पूर्व में वह पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी से जुड़े रहे, जब हरियाणा व पंजाब की एक ही यूनिवर्सिटी पीएयू थी। दो वर्ष पहले एक कॉन्फ्रेंस में वह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय आए थे, तब उन्होंने बिगड़ती मिट्टी की सेहत पर चिंता जताई थी। उन्होंने तभी बताया था कि पंजाब और हरियाणा की भूमि में जैविक पदार्थों की भारी कमी है। इसे समय से नहीं सुधारा गया तो गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। एचएयू आने के बाद प्रो. लाल ने अपने निजी कोष से मृदा विज्ञान के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए गोल्ड मेडल देने की घोषणा भी की थी।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो वर्ष पूर्व एक कार्यक्रम में पहुंचे प्रो. रत्न लाल स्लेटी रंग के सूट में विज्ञानी को सम्मानित करते हुए दायीं तरफ कुलपति प्रो. केपी सिंह। ● सोशल मीडिया से

250 से अधिक रिसर्च पेपर कर चुके हैं प्रकाशित

स्वामीनाथन ने मृदा से संबंधित अपनी रिपोर्ट में 250 पब्लिकेशन प्रकाशित किए हैं, जिनकी मदद देश में विभिन्न कृषि वैज्ञानिक लाभ उठा रहे हैं। मगर प्रो. रत्न लाल अपने आप में भी काफी बड़ी हस्ती हैं। उन्होंने स्वामीनाथन से 10 गुना अधिक 2010 रिसर्च पब्लिकेशन प्रकाशित किए हैं। इसके साथ ही 200 स्टूडेंट्स गाइड भी उन्होंने तैयार किए हैं, उनकी 90 पुस्तकों की मदद भी कृषि क्षेत्र के जानकार लेते हैं।

किसानों व सरकारों को क्या करना चाहिए

- प्रो. रत्नलाल बताते हैं कि फसल अवशेषों को जलाना एकदम बंद करना चाहिए।
- 2030 तक हमें बाढ़ आधारित सिंचाई से सूक्ष्म सिंचाई की तरफ जाना होगा।
- ईंट बनाने के लिए मिट्टी के स्थान पर सन्य स्रोतों की तरफ जाना होगा।
- खड़े पानी या मिट्टी की स्तह पर उर्वरकों के प्रसारण को रोकना चाहिए।
- अनियंत्रित पशुओं की चाई बंद हो।

सॉयल हेल्थ बिगड़ने से हवा और पानी भी हो रहे प्रदूषित: पूर्व में एचएयू आने पर प्रो. रत्नलाल ने विश्व में मिट्टी की गिरती हालत को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने बताया कि देश में मिट्टी के स्वास्थ्य को लेकर हमें चिंता करनी चाहिए। हम जानकारियों के अभाव में नए प्रदूषण को विकराल रूप देने जा रहे हैं। इस पर सरकारों व किसानों ने ध्यान नहीं दिया तो परिणाम काफी हानिकारक होंगे। भारत में जिस प्रकार से रसायनों का प्रयोग हो रहा है, वह काफी विकराल है। कैंसर ट्रेन उसका छोटा सा रूप है। भारत में मृदा स्वास्थ्य में अभी कई संभावनाएं हैं। हम फूड बॉल रीजन में रह रहे हैं। यहां हम कम गुणवत्ता के कीटनाशकों व उर्वरकों का प्रयोग कर भूमि को दूषित कर रहे हैं। इसका फायदा कम बर्बादी अधिक है। उर्वरकों को ग्रहण करने की भूमि में क्षमता नहीं है, इसलिए उर्वरक ग्राउंड वाटर या वातावरण में घुल रहा है। यह हवा व पानी दोनों को प्रदूषित कर रहा है। विशेष तौर पर पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान की मिट्टी में उर्वरक क्षमता बढ़ाने वाले जीवाणु कम हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	13.06.2020	12	07-08

हकृवि प्रदेश में प्रथम व देश में 49वें स्थान पर

- मानव संसाधन व विकास मंत्रालय द्वारा जारी की गई नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग में हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय को हरियाणा में प्रथम स्थान हासिल हुआ है। जबकि ओवरआल रैंकिंग में देशभर में 49वां स्थान मिला है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के लिए एनआईआरएफ जारी की गई है। उल्लेखनीय है कि इस रैंकिंग में देशभर से यूजीसी व आईसीएआर. के अंतर्गत सभी साइंस, आर्ट्स, सोशल साइंस व अपलाइड सांइस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे।

इस रैंकिंग में कुल पांच मापदंड लिए गए थे जिसमें गृहविज्ञान महाविद्यालय ने शिक्षण एवं संसाधनों के अंतर्गत 100 में से 61.21 अंक, स्नातक परिणाम में 80.42 अंक और बाहर की विशिष्टता में 62.48 अंक हासिल किए हैं।

पहले भी मिल चुके अवॉर्ड

यहां उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय को अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड प्राप्त हो चुका है। वर्ष 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवार्ड तथा हाल ही में इसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार, 2017, हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार 2018 व कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड 2018 से नवाजा जा चुका है।

गर्व का विषय है

गृह विज्ञान महाविद्यालय को एनआईआरएफ रैंकिंग में प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल हुआ है। यह रैंकिंग हरियाणा राज्य तथा विश्वविद्यालय की फैकल्टी, गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के लिए गर्व का विषय है।

प्रो. केपी सिंह, कुलपति, हकृवि

दो दर्जन देशों से अनुबंध

हकृवि के छात्रों, फैकल्टी एक्सचेंज, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और पारस्परिक हित के अन्य व्यवसायिक गतिविधियों के संदर्भ में यूरोप, अमेरिका और एशिया के दो दर्जन से अधिक प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध हैं। यहां विकसित की गई तकनीकों के व्यावसायीकरण के लिए करीब 520 सरकारी और गैरसरकारी कंपनियों व संस्थानों के साथ समझौते किये गये हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	13.06.2020	09	01

हकृवि में विश्व बालश्रम निषेध दिवस मनाया

बाल श्रम को रोकने की शपथ लेते अधिकारी व कर्मचारी।

हिसार। हकृवि में विश्व बालश्रम निषेध दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि आइए, आज इस दिवस पर हम सब मिलकर बाल श्रम की समस्या को खत्म करने का संकल्प लें और बच्चों को उनका बचपन जीने का भरपूर अवसर प्रदान कर उनकी जिन्दगी संवारने में अहम् भूमिका निभाएं। लोगों को विश्व बालश्रम निषेध दिवस के प्रति सचेत करने के लिये इस दिन को मनाया जाता है। आज विश्व बालश्रम निषेध दिवस के मौके पर गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. कृष्णा दुहन, शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारियों ने प्रतिज्ञा ली। इस दिन को मनाने का मकसद लोगों को बच्चों के प्रति संवेदनशील व जागरूक करना है। 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी कार्य में न लगाया जाये यह उम्र उनकी पढाई-लिखाई की है अतः हम सबको बच्चों के स्वास्थ्य तथा शिक्षा की ओर ध्यान देना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	13.06.2020	03	04-07

हिसार के 2 विश्वविद्यालयों ने रैंकिंग सुधार में बनाई पहचान

गुजवि ने एन.आई.आर.एफ की रैंकिंग में पाया 94 वां स्थान व हकृवि ने हरियाणा में प्रथम और देशभर में 49 वां स्थान मिला

हिसार, 12 जून (ब्यूरो): केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल फ्रैमवर्क रैंकिग में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गृह विज्ञान महाविद्यालय को हरियाणा में प्रथम स्थान हासिल हुआ है जबकि ओवरआल रैंकिग में देशभर में 49वां स्थान मिला है।

वहीं गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा नैशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.) की रैंकिंग में 94 वां स्थान हासिल करने पर विश्वविद्यालय में खुशी की लहर है। विश्वविद्यालय की रैंकिंग में इस बार गत वर्ष की अपेक्षा काफी सुधार हुआ है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग को राष्ट्रीय स्तर पर 31वां स्थान मिला है। फार्मेसी विभाग की रैंकिंग में 4 पायदान का सुधार हुआ है। इंजीनियरिंग में भी विश्वविद्यालय को पहली बार रैंकिंग मिली है।

इंजीनियरिंग में विश्वविद्यालय की रैंकिंग 195 रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.

हकृवि का बाहरी दृश्य।

टंकेश्वर कुमार ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बताया कि अब विश्वविद्यालय देश के श्रेष्ठ 100 संस्थानों में शामिल हो गया है, जिससे विश्वविद्यालय को कई प्रकार की स्वायतताएं प्राप्त होंगी तथा कई योजनाओं का लाभ स्वत: ही मिलेगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि रेकिंग में सुधार विश्वविद्यालय परिवार के सामुहिक प्रयास का परिणाम है। इसे भविष्य में और अधिक उगा मापदंडों के साथ विश्वविद्यालय के आधारभूत ढांचे को और अधिक मजबूत किया जाएगा तथा विश्वविद्यालय भविष्य में और ऊंची रेकिंग प्राप्त करेगा।

विश्वविद्यालय के इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंश सैल के निदेशक प्रो. आशीष अग्रवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय का कुल स्कोर 40.43 रहा है। विश्वविद्यालय ने रेकिंग के लिए निर्धारित अधिकतर मापदंडों में रेकिंग में काफी सुधार किया है। विशेषकर प्रसेप्शन वर्ग में विश्वविद्यालय को स्कोर चार से बढ़कर 27 तक पहुंच गया है। विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग का स्कोर 49.73 रहा है। विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग का स्कोर 31.23 रहा है। विश्वविद्यालय लगातार 'ए' ग्रेड प्राप्त कर रहा है। विश्वविद्यालय का वर्तमान स्कोपस एच-इंडेक्स 85 है जो उत्तर भारत के क्षेत्र में शीर्ष है। प्रो. आशीष अग्रवाल ने बताया कि एनआई आरएफ रेंकिंग मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा स्थापित मापदंडों के आधार पर जारी की जाती है। साथ ही यह रेंकिंग किसी निजी संस्थान द्वारा नहीं बल्कि सरकार द्वारा जारी की जाती है।

हकृवि के कॉलेज ने रैंकिंग में लगाई छलांग

उल्लेखनीय है कि इस रैंकिंग में देशभर से यू.जी.सी. व आई.सी.ए.आर. के अंतर्गत सभी साइंस, आर्ट्स, सोशल साइंस व अपलाइड सांइस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे, इस रैंकिंग में कुल पाँच मापदण्ड लिए गए थे जिसमें चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) हिसार के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने शिक्षण एवं संसाधनों के अंतर्गत 100 में से 61.21 अंक, स्नातक परिणाम में 80.42 अंक और बाहर की विशिष्टता में 62.48 अंक हासिल किए हैं। वैसे इससे पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय को अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बैस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवार्ड तथा हाल ही में इसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार, 2017, हरियाणा किसान र पुरस्कार 2018 व कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड 2018 से नवाजा जा चुका है। वहीं इस विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों, फलों और सब्जियों की लगभग 282 किस्मों व संकरों की पहचान व विमोचन किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	12.06.2020	03	03-08

रैंक

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क ने वीरवार को जारी की नई रैंकिंग, कॉलेजों में एचएयू के होम साइंस कॉलेज की 49वीं रैंक

जीजेयू फॉर्मेसी कॉलेज को 31वीं रैंक, लगातार तीसरे साल सुधार

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की ओर से वीरवार को नई रैंकिंग जारी हुई। जीजेयू के फार्मेसी कॉलेज की रैंकिंग लगातार तीसरे साल भी सुधरी है। फार्मेसी कैटेगिरी में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय 31वें स्थान पर आ गया है। पिछले साल गुजवि की रैंक 35वीं और उससे पिछली बार 49वीं थी।

देश के टॉप 100 इंजीनियरिंग संस्थानों में गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी 195वें स्थान पर रही। इस कैटेगिरी में देश से 1071 संस्थानों ने हिस्सा लिया था। मैनेजमेंट कैटेगिरी में जीजेयू के एचएसबी को जगह नहीं मिली। यूनिवर्सिटी कैटेगिरी में प्रदेश के चार विश्वविद्यालयों ने टॉप 100 में जगह बनाई है। एमडीयू रोहतक 41.95 अंकों के साथ 76वीं रैंक पर रही। एमएमयू अंबाला 93वें, गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी (जीजेयू) 94वें और कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी 99वें स्थान पर रही। कॉलेज कैटेगिरी में पिछले पांच साल में पहली बार हरियाणा के किसी कॉलेज देश के टॉप 100 में जगह बनाई है। कैटेगिरी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार (एचएयू) का आईसी कॉलेज ऑफ होम साइंस 49वें स्थान पर रहा।

जीजेयू और एमडीयू 101 से 151 के बीच रैंकिंग

ओवरऑल कैटेगिरी में देश के टॉप 100 संस्थानों में तो कोई नहीं है, लेकिन 101 से 150 रैंकिंग बैंड में गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार, एमडीयू रोहतक और एमएमयू अंबाला शामिल है। एमिटी यूनिवर्सिटी गुरुग्राम और कुरुक्षेत्र विवि ने 151 से 200 रैंक बैंड में स्थान बनाया है।

पांच पहलुओं पर परखे जाते हैं संस्थान

एनआईआरएफ रैंकिंग के लिए संस्थान को पांच पहलुओं पर परखा जाता है और उसके अलग-अलग अंक दिए जाते हैं। इनमें शिक्षण अधिगम और संसाधन, शोध एवं पेशेवर अभ्यास, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरिच और समावेशिता और लोगों की परसेप्शन (अनुभूति) को शामिल किया गया है।

> इस बार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को शामिल नहीं किया गया, लेकिन हमारे होम साइंस कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन किया है। एग्रीकल्चर को शामिल किया जाता तो हमारी रैंकिंग देश के टॉप 40 संस्थानों में होती, क्योंकि हमारे अंक बहुत अधिक होते। - प्रो. केपी सिंह, कुलपति, एचएयू, हिसार।

> हम लगातार अच्छा कर रहे हैं। फार्मेसी में तीन वर्षों से रैंकिंग बेहतर होती जा रही है। यह हमारे विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के कारण संभव हुआ है। अन्य कैटेगिरी में भी हम लगातार सुधार कर रहे हैं और यूनिवर्सिटी के मामले में हरियाणा में नंबर दो पर आ गए हैं। आगे और बेहतर करेंगे। - प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि, हिसार।

वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रांजलि और निशिथ रहे प्रथम

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (गुजवि) के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की तरफ से ऑनलाइन वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतियोगिता के विषय 'क्या महिलाओं के लिए लोक सभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण होना चाहिए' के पक्ष व विपक्ष में चर्चा की गई। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के निदेशक प्रो. कर्मपाल नरवाल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता प्लेसमेंट निदेशक प्रताप सिंह ने की। पहले ग्रुप की प्रतियोगिता में बीटेक ईसीई की प्रांजलि पहले, बीटेक सीएसई की देवांशी ग्रोवर दूसरे व बीटेक ईई की शालिनी तीसरे स्थान पर रही। दूसरे ग्रुप की प्रतियोगिता में बीएससी इकोनोमिक्स के निशिथ शुभांकर ने पहला, बीफार्मा की शायना ने दूसरा व बीटेक ईसीई के आलोक कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13.06.2020	02	07-08

एचएयू के होम साइंस कॉलेज को स्नातक परिणाम में मिले 80.42 अंक, प्रदेश में प्रथम

हिसार। मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गृह विज्ञान महाविद्यालय को हरियाणा में प्रथम स्थान हासिल हुआ, जबकि ओवरऑल रैंकिंग में देशभर में 49वां स्थान मिला। उल्लेखनीय है कि इस रैंकिंग में देशभर से यूजीसी व आईसीएआर के अंतर्गत सभी साइंस, आर्ट्स, सोशल साइंस व अप्लाइड सांइस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे, इस रैंकिंग में कुल पांच मापदंड लिए गए थे, जिसमें गृहविज्ञान महाविद्यालय ने शिक्षण एवं संसाधनों के अंतर्गत 100 में से 61.21 अंक, स्नातक परिणाम में 80.42 अंक और बाहर की विशिष्टता में 62.48 अंक हासिल किए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13.06.2020	02	03

एचएयू में मनाया गया विश्व बालश्रम निषेध दिवस

हिसार (ब्यूरो)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विश्व बालश्रम निषेध दिवस के मौके पर गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. कृष्णा दूहन, शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारियों ने प्रतिज्ञा ली। इस दिन को मनाने का मकसद लोगों को बच्चों के प्रति संवेदनशील व जागरूक करना है। 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी कार्य में न लगाया जाए, यह उम्र उनकी पढ़ाई-लिखाई की है अतः हम सबको बच्चों के स्वास्थ्य तथा शिक्षा की ओर ध्यान देना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.06.2020	04	03-06

वर्षा ऋतु में लें भिंडी की

अधिक पैदावार

वर्षा उपहार और पीलिया रोधी किस्मों का करें प्रयोग

45 दिन में लगता है फल, पैदावार के लिए लंबे समय का गरम-नरम वातावरण अच्छा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। वर्षा ऋतु आरंभ होने के साथ ही किसानों के लिए भिंडी की खेती आय का बेहतर साधन हो सकती है। यह फसल गर्मी व बरसात दोनों मौसम में बोई जा सकती है, लेकिन यह बरसात के मौसम की मुख्य फसल है व इस मौसम में पैदावार अधिक होती है। इस की पैदावार के लिए लंबे समय का गर्म व नरम वातावरण अच्छा माना जाता है और बीज के उगने के लिए 25 से 35 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त होता है।

25-35 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त होता है भिंडी के बीज उगने को

एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि हरी सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है व भारत भिंडी उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नेशियम के अतिरिक्त विटामिन ए, बी, सी और रेशा पर्याप्त मात्रा में मिलता है। इसमें आयोडीन की मात्रा अधिक होती है।

जुताई के समय डालें गोबर की खाद : खेत को 3 - 4 गहरी जुताई करके मिट्टी को नरम व भुर-भुरा कर लेना चाहिए। बिजाई से 3 सप्ताह पहले गोबर की खाद खेत में जुताई करते समय डालें। बरसात कालीन फसल के लिए खेत को समान क्यारियों में बांट देना चाहिए।

भिंडी की ये मुख्य किस्में

भिण्डी विशेषज्ञ डॉ. सुरेंद्र धनखड़ ने बताया कि भिण्डी की उन्नत किस्मों जैसे वर्षा उपहार, हिसार उन्नत, हिसार नवीन, एचबीएच 142 आदि का बीज ही बोएं। वर्षा उपहार पीलिया रोग रोधी किस्म है, जो बरसात के मौसम के लिए उपयुक्त है। यह 45 दिन में फल देना आंरभ कर देती है और इसकी औसत पैदावार 35-40 क्विंटल प्रति एकड़ हैं। हिसार उन्नत भी पीलिया रोग रोधी किस्म है, जो गर्मी के मौसम के लिए उपयुक्त है। यह 47 दिन में फल देना आंरभ कर देती है और इसकी औसत पैदावार 30 - 40 क्विंटल प्रति एकड़ हैं। हिसार नवीन पीलिया रोग रोधी किस्म है जो वर्षा व गर्मी के मौसम के लिए उपयुक्त है। यह 46-47 दिन में फल देना आंरभ कर देती है और इसकी औसत पैदावार 40-45 क्विंटल प्रति एकड़ हैं। एचबीएच 142 भी पीलिया रोग रोधी किस्म है जो वर्षा मौसम के लिए उपयुक्त है, जिसे गर्मी के मौसम में भी उगाया जा सकता है। यह 47 - 48 दिन में फल देना आंरभ कर देती है और इसकी औसत पैदावार 58 क्विंटल प्रति एकड़ हैं।

बिजाई का समय व बीज की मात्रा : उत्तरी भारत में साल में दो बार भिण्डी की बिजाई होती है पहली फरवरी से मार्च में, जिसे ग्रीष्मकालीन फसल कहते हैं तथा दूसरी जून से जुलाई में जिसे वर्षाकालीन फस कहते हैं। ग्रीष्मकालीन मौसम के लिए 16 से 18 किलोग्राम प्रति एकड़ व बरसात के 5-6 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालें।

बिजाई की विधि : ग्रीष्मकालीन फसल के लिए खेत में 30 से.मी. चौड़ी डोलियां बनाएं तथा डोलियों के दोनों तरफ किनारों पर 10 से.मी. की दूरी पर बिजाई करें। इससे पानी की बचत होती है। बरसात की फसल के लिए कतार से कतार की दूरी 45 से 60 सै.मी. तथा पौधे से पौधे का फासला 30 से.मी. रखें। बिजाई से पहले बीज को रातभर पानी में भिगो दें और अगले दिन एक घंटा छाया में सुखा कर बिजाई करें।

खाद व उर्वरक : गोबर की गली - सड़ी खाद 10 टन प्रति एकड़ बिजाई से 3 सप्ताह पहले डालें और समान रूप से भूमि में मिला दें। औसत उपजाऊ जमीन में 40 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 24 किलोग्राम फास्फोरस (शुद्ध) प्रति एकड़ डालें। मिट्टी की जांच के बाद ही पोटाश डालें। एक तिहाई नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा बिजाई से पहले मिट्टी में मिला दें। नाइट्रोजन की शेष मात्रा दो भागों में एक बिजाई से लगभग तीन सप्ताह बाद व दूसरी मात्रा पौधों में फूल आने के समय डालें।

सिंचाई व निराई-गोडाई : बिजाई पलेवा देकर करें। डोलियों की बिजाई पर खेत में नमी की कमी होने पर बिजाई के तुरन्त बाद सिंचाई दें और दूसरी व तीसरी सिंचाई 3 - 4 दिन के अंतर पर करें। ग्रीष्मकालीन मौसम में 5-6 दिन के अंतर पर व वर्षाकालीन फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। 2 -3 बार निराई - गुड़ाई करें।

भिंडी की तुड़ाई

भिंडी के फलों को नर्म अवस्था में रेशा बनने से पहले प्रातः या सायंकाल में तोड़ना चाहिए। ग्रीष्मकालीन फसल में 30 क्विंटल व वर्षाकालीन फसल में 40 - 45 क्विंटल प्रति एकड़ भिंडी के मुलायम फलों की पैदावार प्राप्त हो जाती है। उपरोक्त वैज्ञानिक सस्य क्रियाओं को कार्यान्वित करने पर किसान भाई भिंडी की अच्छी पैदावार प्राप्त कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	12.06.2020	--	--

गृह विज्ञान महाविद्यालय को एनआइआरएफ रैंकिंग में प्रदेश में प्रथम और देशभर में 49वां स्थान मिला

मानव संसाधन व विकास मंत्रालय द्वारा जारी की गई थी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गृह विज्ञान महाविद्यालय को हरियाणा में प्रथम स्थान हासिल हुआ है जबकि ओवरआल रैंकिंग में देशभर में 49वां स्थान मिला है। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग जारी की गई है। इस रैंकिंग में देशभर से यूजीसी व आईसीएआर के अंतर्गत सभी साइंस, आर्ट्स, सोशल साइंस व अपलाइड सांइस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे, इस रैंकिंग में कुल पाँच मापदण्ड लिए गए थे जिसमें गृहविज्ञान महाविद्यालय ने शिक्षण एवं संसाधनों के अंतर्गत 100 में से 61.21 अंक, स्नातक परिणाम में 80.42 अंक और बाहर की विशिष्टता में 62.48 अंक हासिल किए हैं। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि यह रैंकिंग हरियाणा राज्य तथा इस विश्वविद्यालय की फैकल्टी, गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय किसानों को समर्पित है इसलिए भविष्य में भी यह नवीन कृषि प्रौद्योगिकी विकास के द्वारा किसानों के कल्याण के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहेगा। उन्होंने कहा फिलहाल हम वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुणा करने के लक्ष्य को लेकर और कृषि की वर्तमान समस्याओं के निवारण के लिए प्रयत्नशील हैं। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि अनुसंधान व व्यावसायिक कार्य एवं सहकर्मी की धारणा की दिशा में ओर अधिक परिश्रम की आवश्यकता है ताकि भविष्य में रैंकिंग में ओर अधिक सुधार हो सके।

पहले भी मिल चुके हैं विश्वविद्यालय को कई अवार्ड

यहां उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय को अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवार्ड तथा हाल ही में इसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार, 2017, हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार 2018 व कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड 2018 से नवाजा जा चुका है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने भी छात्रों के बीच नवाचार की संस्कृति को व्यवस्थित रूप से बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सैल की स्थापना के लिए इस विश्वविद्यालय को प्रमाण पत्र प्रदान किया है। इनके अतिरिक्त भी इस विश्वविद्यालय ने अब तक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई अन्य पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	13.06.2020	--	--

एचएयू के गृह विज्ञान महाविद्यालय को एनआईआरएफ रैंकिंग में हरियाणा में प्रथम और देशभर में 49वां स्थान मिला

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 13 जून : केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गृह विज्ञान महाविद्यालय को हरियाणा में प्रथम स्थान हासिल हुआ है जबकि ओवरआल रैंकिंग में देशभर में 49वां स्थान मिला है। गौरतलब है कि 11 जून 2020 को केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग जारी की गई है। उल्लेखनीय है कि इस रैंकिंग में देशभर से यूजीसी व आईसीएआर के अंतर्गत सभी साइंस, आर्ट्स, सोशल साइंस व अपलाइड सांइस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे, इस रैंकिंग में कुल पांच मापदण्ड लिए गए थे जिसमें गृहविज्ञान महाविद्यालय ने शिक्षण एवं संसाधनों के अंतर्गत 100 में से 61.21 अंक, स्नातक परिणाम में 80.42 अंक और बाहर की विशिष्टता में 62.48 अंक हासिल किए हैं। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि यह रैंकिंग हरियाणा राज्य तथा इस विश्वविद्यालय की फैकल्टी, गैरशिक्षक कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय किसानों को समर्पित है इसलिए भविष्य में भी यह नवीन कृषि प्रौद्योगिकी विकास के द्वारा किसानों के कल्याण के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहेगा। उन्होंने कहा फिलहाल हम वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुणा करने के लक्ष्य को लेकर और कृषि की वर्तमान समस्याओं के निवारण के लिए प्रयत्नशील हैं। कुलपति महोदय ने गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा व गृह विज्ञान महाविद्यालय मे एनआइआरएफ की नॉडल ऑफिसर डॉ. सुषमा कौशिक को बधाई दी। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि अनुसंधान व व्यावसायिक कार्य एवं सहकर्मी की धारणा की दिशा में ओर अधिक परिश्रम की आवश्यकता है ताकि भविष्य में रैंकिंग में और अधिक सुधार हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	13.06.2020	--	--

विश्व बालश्रम निषेध दिवस मनाया

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 13 जून : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि आइए इस दिवस पर हम सब मिलकर बाल श्रम की समस्या को खत्म करने का संकल्प लें और बच्चों को उनका बचपन जीने का भरपूर अवसर प्रदान कर उनकी जिन्दगी संवारने में अहम् भूमिका निभाएं। लोगों को विश्व बालश्रम निषेध दिवस के प्रति सचेत करने के लिये इस दिन को मनाया जाता है। आज विश्व बालश्रम निषेध दिवस के मौके पर गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. कृष्णा दुहन, शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारियों ने प्रतिज्ञा ली। इस दिन को मनाने का मकसद लोगों को बच्चों के प्रति संवेदनशील व जागरूक करना है। 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी कार्य में न लगाया जाए। यह उम्र उनकी पढाई-लिखाई की है, अत: हम सबको बच्चों के स्वास्थ्य तथा शिक्षा की ओर ध्यान देना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	13.06.2020	--	--

उपलब्धि

निदेशक डॉ. सुरेन्द्र धनखड़ ने बताया कि भारत में प्रथम स्थान पर है भिंडी उत्पादन

वैज्ञानिक ढंग से भिंडी की खेती करके आय बढ़ा सकते है किसान

कहा, अपने खेत से आर्थिक स्वतन्त्रता के पायदान पर अपना पहला कदम बढ़ा सकते है प्रदेश के किसान: वीसी

जगमार्ग न्यूज

हिसार। वर्षा ऋतु आरंभ होने को देखते हुए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों को भिंडी की खेती वैज्ञानिक ढंग से करके इसे आय का साधन बनाने का सुझाव दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि भिंडी की खेती के दौरान किसानों को वैज्ञानिकों की सलाह मानकर आगे बढ़ना चाहिए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि वर्षा ऋतु आरंभ होने को है और इस मौसम में भिंडी की खेती किसानों के लिए आय का साधन हो सकती है। किसान उपयुक्त वैज्ञानिक जानकारी का प्रयोग करते हुए अपने खेत से आर्थिक स्वतन्त्रता के पायदान पर अपना पहला कदम बढ़ा सकते है। भिंडी के विशेषज्ञ व डायरेक्टर फार्म के निदेशक डॉ. सुरेन्द्र धनखड़ ने बताया कि हरी सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है व भारत भिंडी उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। भिंडी मे प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नेशियम के अतिरिक्त विटामिन ए, बी, सी तथा रेशा पर्याप्त मात्रा में मिलता है। इसमें आयोडीन की मात्रा अधिक होती है। उन्होंने बताया कि यह फसल गर्मी व बरसात दोनों मौसम में बोई जा सकती है परन्तु यह बरसात के मौसम की मुख्य फसल है व इस मौसम में पैदावार अधिक होती है। इसकी पैदावार के लिए लम्बे समय का गर्म व नरम वातावरण अच्छा माना जाता है तथा बीज के उगने के लिए 25 से 35 डिग्री सैल्सियस तापमान उपयुक्त होता है। 20 डिग्री सैल्सियस से कम तापमान पर बीजों का अंकुरण नहीं होता व 42 डिग्री सैल्सियस से अधिक तापमान पर इसके फूल झड़ने लगते है। इसके लिए चिकनी से बलुई मिट्टी जिसमें जीवांश की मात्रा अधिक हो व जल निकास उत्तम हो, अच्छी रहती है। अच्छी लिए हल्की अम्लीय दुमट मि उपयुक्त होती है। खेत को 3-4 करके मिट्टी को नरम व भुर चाहिए। बिजाई से 3 सप्ताह प खाद खेत में जुताई करते समय

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विकसित भिंडी की किस्म। -जगमार्ग

बिजाई का समय व बीज की मात्रा

उत्तरी भारत में साल में दो बार भिंडी की बिजाई होती है पहली फरवरी से मार्च में जिसे ग्रीष्मकालीन फसल कहते है तथा दूसरी जून से जुलाई में जिसे वर्षाकालीन फसल कहते है। ग्रीष्मकालीन मौसम के लिए 16 से 18 किलोग्राम प्रति एकड़ व बरसात के 5-6 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालें। ग्रीष्मकालीन फसल के लिए खेत में 30 सै.मी. चौड़ी डोलियां बनाएं तथा डोलियों के दोनों तरफ किनारों पर 10 सै.मी. की दूरी पर बिजाई करें। इससे पानी की बचत होती है। बरसात की फसल के लिए कतार से कतार की दूरी 45 से 60 सै.मी. तथा पौधे से पौधे का फासला 30 सै.मी. रखें। बिजाई से पहले बीज को रातभर पानी में भिगो दें और अगले दिन एक घंटा छाया में सुखा कर बिजाई करें।

खाद व उर्वरक

गोबर की गली-सड़ी खाद 10 टन प्रति एकड़ बिजाई से 3 सप्ताह पहले डालें और समान रूप से भूमि में मिला दें। औसत उपजाऊ जमीन में 40 किलोग्राम नाइट्रोजन तथा 24 किलोग्राम फास्फोरस (शुद्ध) प्रति एकड़ डालें। मिट्टी की जांच के बाद ही पोटाश डालें। एक तिहाई नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा बिजाई से पहले मिट्टी में मिला दें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	13.06.2020	--	--

गृह विज्ञान महाविद्यालय को देशभर में 49वां स्थान मिला

जगमार्ग न्यूज

हिसार। केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिग फ्रेमवर्क रैंकिग में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गृह विज्ञान महाविद्यालय को हरियाणा में प्रथम स्थान हासिल हुआ है जबकि ओवरआल रैंकिग में देशभर में 49वां स्थान मिला है। गत दिवस केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिग फ्रेमवर्क रैंकिग जारी की गई है। उल्लेखनीय है कि इस रैंकिंग में देशभर से यूजीसी व आईसीएआर के अंतर्गत सभी साइंस, आर्ट्स, सोशल साइंस व अपलाइड सांइस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे, इस रैंकिंग में कुल पाँच मापदण्ड लिए गए थे जिसमें गृहविज्ञान महाविद्यालय ने शिक्षण एवं संसाधनों के अंतर्गत 100 में से 61.21 अंक, स्नातक परिणाम में 80.42 अंक और बाहर की विशिष्टता में 62.48 अंक हासिल किए हैं।

यहां उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर इस विश्वविद्यालय को अनुसंधान, शिक्षा व विस्तार के क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 1996 में बेस्ट इंस्टीट्यूशन अवार्ड, 2016 में सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् संस्थान अवार्ड तथा हाल ही में इसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान पुरस्कार, 2017, हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार 2018 व कृषि शिक्षा सम्मान अवार्ड 2018 से नवाजा जा चुका है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	**12.06.2020**	---	---

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय को एनआइआरएफ रैंकिंग में हरियाणा में प्रथम और देशभर में 49वां स्थान मिला

June 12, 2020 • Rakesh • Haryana News

मानव संसाधन व विकास मंत्रालय द्वारा जारी की गई थी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग

यूनिक हरियाणा (राकेश)हिसार: 12 जून

केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) रैंकिंग में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के गृह विज्ञान महाविद्यालय को हरियाणा में प्रथम स्थान हासिल हुआ है जबकि ओवरऑल रैंकिंग में देशभर में 49वां स्थान मिला है। गौरतलब है कि 11 जून 2020 को केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) रैंकिंग जारी की गई है। उल्लेखनीय है कि इस रैंकिंग में देशभर से यूजीसी व आईसीएआर के अंतर्गत सभी साइंस, आर्ट्स, सोशल साइंस व अपलाइड सांइस के महाविद्यालय शामिल किए गए थे, इस रैंकिंग में कुल पाँच मापदण्ड लिए गए थे जिसमें गृहविज्ञान महाविद्यालय ने शिक्षण एवं संसाधनों के अंतर्गत 100 में से 61.21 अंक, स्नातक परिणाम में 80.42 अंक और बाहर की विशिष्टता में 62.48 अंक हासिल किए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	**12.06.2020**	---	---

H.A.U में विश्व बालश्रम निषेध दिवस मनाया गया

June 12, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

हिसार: 12 जून

हर वर्ष 12 जून को विश्व बालश्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी कड़ी में आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि आइए, आज इस दिवस पर हम सब मिलकर बाल श्रम की समस्या को खत्म करने का संकल्प लें और बच्चों को उनका बचपन जीने का भरपूर अवसर प्रदान कर उनकी जिन्दगी संवारने में अहम् भूमिका निभाएं।

लोगों को विश्व बालश्रम निषेध दिवस के प्रति सचेत करने के लिये इस दिन को मनाया जाता है। आज विश्व बालश्रम निषेध दिवस के मौके पर गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. कृष्णा दुहन, शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारियों ने प्रतिज्ञा ली। इस दिन को मनाने का मकसद लोगों को बच्चों के प्रति संवेदनशील व जागरूक करना है। 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी कार्य में न लगाया जाये यह उम्र उनकी पढाई-लिखाई की है अत: हम सबको बच्चों के स्वास्थ्य तथा शिक्षा की ओर ध्यान देना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	**12.06.2020**	---	---

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व बालश्रम निषेध दिवस मनाया गया

SHARE 0

हिसार,

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने आह्वान किया कि आज इस दिवस पर हम सब मिलकर बाल श्रम की समस्या को खत्म करने का संकल्प लें और बच्चों को उनका बचपन जीने का भरपूर अवसर प्रदान कर उनकी जिन्दगी संवारने में अहम् भूमिका निभाएं। लोगों को विश्व बालश्रम निषेध दिवस के प्रति सचेत करने के लिये इस दिन को मनाया जाता है। आज विश्व बालश्रम निषेध दिवस के मौके पर गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. कृष्णा दुहन, शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारियों ने प्रतिज्ञा ली। इस दिन को मनाने का मकसद लोगों को बच्चों के प्रति संवेदनशील व जागरूक करना है। 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी कार्य में न लगाया जाये यह उम्र उनकी पढाई-लिखाई की है अत: हम सबको बच्चों के स्वास्थ्य तथा शिक्षा की ओर ध्यान देना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	12.06.2020	---	---

हकृवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय को एनआइआरएफ रैंकिंग में हरियाणा में प्रथम व देशभर में 49वां स्थान मिला

SHARE 0

मानव संसाधन व विकास मंत्रालय द्वारा जारी की गई थी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग

हिसार,